खबर संक्षेप

शहडोल में महिला पटवारी पर प्राणघातक हमला

आरोपी भाइयों के विरुद्ध चल-अचल संपत्ति नष्ट करने की मांग

शहडोल। जिले में एक महिला पटवारी के साथ हुए प्राणघातक हमले ने प्रशासन की संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पटवारी श्रीमती करुणा पाण्डेय, जो हल्का जुगवारी में पदस्थ हैं, 16 नवंबर 2025 को ग्राम जुगवारी स्थित पंचायत भवन के बाहर फार्मर आईडी एवं फसल क्षति सर्वे कैंप के दौरान हमला किया गया। स्थानीय निवासी सतीश जायसवाल ने धारदार हथियार कुल्हाड़ी से उन्हें निशाना बनाया। हालांकि, आसपास के ग्रामीणों की मौजूदगी के कारण हमला विफल रहा। घटना की जानकारी तुरंत थाना कोतवाली शहडोल को दी गई और प्रकरण में कार्यवाही प्रचलित है। इससे पूर्व 12 नवंबर को आरोपी का भाई रिंकू जायसवाल, जो प्राथमिक शाला बिरहुलिया में शिक्षक पद पर कार्यरत है, पटवारी को उनके निवास पर धमकी दे चुका था। रिंकू ने कहा था कि फसल क्षति का मुआवजा स्वीकार्य नहीं है और यदि उसे 40,000 रुपए नहीं मिले तो नौकरी पर खतरा है। इसके अतिरिक्त आरोपी का दूसरा भाई पिंटू जायसवाल भी अवैध वसूली में संलिप्त पाया गया था, जिसकी सूचना महिला पटवारी ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी थी। अधिकारियों की कार्रवाई के बाद पिंटू को जेल भेजा गया। मध्यप्रदेश पटवारी संघ शहडोल के समस्त पटवारियों ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। संघ ने मांग की है कि सतीश, रिंकू और पिंटू जायसवाल के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही की जाए और उनके खिलाफ चल-अचल संपत्ति नष्ट करने की विधिक कार्रवाई की जाए। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिनों के भीतर आवश्यक कार्यवाही नहीं हुई तो जिले के समस्त पटवारी कलमबंद हड़ताल पर जाएंगे, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह शासन प्रशासन की होगी। पटवारी संघ ने कहा कि यह घटना न केवल एक महिला कर्मचारी पर हमला है, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की सुरक्षा और कानून के प्रति गंभीरता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। महिला पटवारी करुणा पाण्डेय ने अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन हमेशा ईमानदारी से किया है और उनके खिलाफ इस तरह का हिंसक प्रयास अत्यंत निंदनीय है। जिले में इस घटना को लेकर आमजन में भी रोष व्याप्त है और नागरिकों ने प्रशासन से त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की अपील की है।

साइलो परियोजना का शुभारंभ टला, मुआवजा और पुनर्वास की मांग पर अड़े किसान

रामपुर-बटुरा मेगा प्रोजेक्ट पर गहरा संकट

अधर में रेल मार्ग से कोयला परिवहन का सपना

अधूरे वादों ने बढ़ाई किसानों की नाराजगी

शहडोल। रामपुर-बटुरा क्षेत्र में प्रस्तावित चार लाख टन प्रति वर्ष उत्पादन क्षमता वाली सीएचपी एवं साइलो परियोजना का भूमि पूजन सोमवार को विवादों में फंस गया। किसानों ने वर्षों से लंबित मुआवजा, रोजगार और पुनर्वास की मांगों को लेकर कार्यक्रम स्थल घेर लिया। विरोध इतना उग्र था कि दक्षिण पूर्वी कोल फील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के बिलासपुर से आए तकनीकी निदेशक डॉ. एम. फ्रेंकलिन जयकुमार सहित पूरी टीम बिना भूमि पूजन किए लौट गई। प्रस्तावित कार्यक्रम 17 नवंबर 2025 को किया जाना था, लेकिन किसानों के विरोध ने इसे रोक दिया।

जमीन लेकर किया बेघर

भूमि पूजन स्थल पर पहुंचते ही किसानों ने मोर्चा संभाल लिया। पुरनिहा टोला और आस-पास के सैकड़ों ग्रामीणों ने अपने नारों के माध्यम से स्पष्ट कर दिया कि बिना मुआवजा और पुनर्वास की व्यवस्था प्रबंधन किसी काम की अनुमति नहीं देगा। किसानों ने आरोप लगाया कि उनकी जमीन अधिग्रहित होने के बावजूद न तो रोजगार मिला, न उचित मुआवजा, और न ही पुनर्वास की ठोस योजना बनाई गई। किसान नेता राजकमल मिश्रा ने कहा हमारी जमीन लेकर हमें बेघर किया गया। कई बार आश्वासन मिला, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जब तक लिखित गारंटी नहीं मिलेगी, हम यहां एक भी ईंट नहीं लगने देंगे।

विरोध देख लौटे अधिकारी

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अमलाई थाना पुलिस मौके पर मौजूद रही, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करने में वे असमर्थ दिखे। लगातार बढ़ते विरोध को देखते हुए एसईसीएल के अधिकारियों ने कार्यक्रम रद्द कर सुरक्षित लौटने का निर्णय लिया। रामपुर-बटुरा परियोजना की कुल लागत लगभग 170 करोड़ रुपये है और इसे दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना पूरी होने पर क्षेत्र से निकलने वाला कोयला सीधे रेलवे मार्ग से परिवहन होगा, जिससे सड़क पर दबाव कम होगा और परिवहन लागत घटेगी। साथ ही कोयले की हेराफेरी पर भी रोक लगेगी। लेकिन इस आर्थिक लाभ के दावों के बावजूद किसानों का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि परियोजना की योजना बनाते समय उन्हें पूरी जानकारी और सहयोग नहीं दिया गया। उनके अनुसार, विकास तभी सफल होगा जब प्रभावित समुदाय को विश्वास में लिया जाए।

लिखित आश्वसन के बिना अनुमति नहीं

रामपुर-बटुरा क्षेत्र पिछले वर्षों में रोजगार और व्यापार के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा है। खदानों के संचालन से आस-पास के कस्बों—बुढ़ार, धनपुरी, अमलाई और अनूपपुर जिलों तक को रोजगार और व्यापारिक अवसर प्राप्त हुए हैं। स्थानीय ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, ट्रकों का संचालन, होटल, दुकानें और छोटे व्यापारी सीधे खदान संचालन पर निर्भर हैं। साइलो परियोजना के पूरा होने से उत्पादन क्षमता और बढ़ेगी और रेलवे मार्ग से कोयले के तेज और सुरक्षित परिवहन से हेराफेरी रोकने में मदद मिलेगी। स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और सड़क मार्ग का बोझ भी कम होगा, लेकिन किसानों का यह कहना है कि जब तक उन्हें लिखित आश्वासन नहीं मिलेगा, वे परियोजना से जुड़े किसी भी काम की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनकी समस्याओं का समाधान जल्द नहीं हुआ, तो यह मेगा प्रोजेक्ट—जो शहडोल और अनूपपुर जिलों की आर्थिक तस्वीर बदल सकता है, लंबे समय तक ठंडे बस्ते में रह सकता है।

परियोजना स्थगित होने की संभावना

एसईसीएल प्रबंधन अब दबाव में है कि वह किसानों की मांगों को गंभीरता से ले और उन्हें मुआवजा, रोजगार और पुनर्वास के ठोस आश्वासन के साथ संतुष्ट करे। अन्यथा, इस परियोजना के महत्वपूर्ण कार्य स्थगित होने की संभावना है। फिलहाल रामपुर-बटुरा क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। किसानों के बड़े आंदोलन की आशंका के बीच प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन के लिए यह चुनौती बनी हुई है कि वे क्षेत्रीय विकास और स्थानीय हितों के बीच संतुलन बनाए रखें।

पुलिस का नाबालिग चालकों पर कड़ा अभियान, वाहनों को किया जब्त

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल के निर्देशानुसार 17 नवम्बर को शहर में यातायात जागरूकता अभियान और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन पर सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान 21 नाबालिग स्कूली वाहन चालकों को सडक़ पर वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। इनके वाहनों को तत्काल जप्त कर थाना यातायात में सुरक्षित रखा गया। सभी नाबालिगों को सुरक्षित रूप से उनके संबंधित विद्यालयों तक छोड़ा गया और उनके अभिभावकों को सूचित कर आवश्यक समझाइश दी गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अभिभावकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके बच्चे केवल वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही वाहन चलाएं, और नाबालिगों को सडक़ पर वाहन संचालन की अनुमति न दें।

इस अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी यातायात संजय जायसवाल ने किया, जिसमें सूबेदार प्रियंका शर्मा और यातायात थाना की पूरी टीम शामिल रही। पुलिस का कहना है कि ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे ताकि सडक़ पर सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। नाबालिगों और उनके अभिभावकों के प्रति यह सख्त संदेश भी है कि नियमों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

सड़क हादसे में बांधवगढ़ एसडीएम हुए घायल

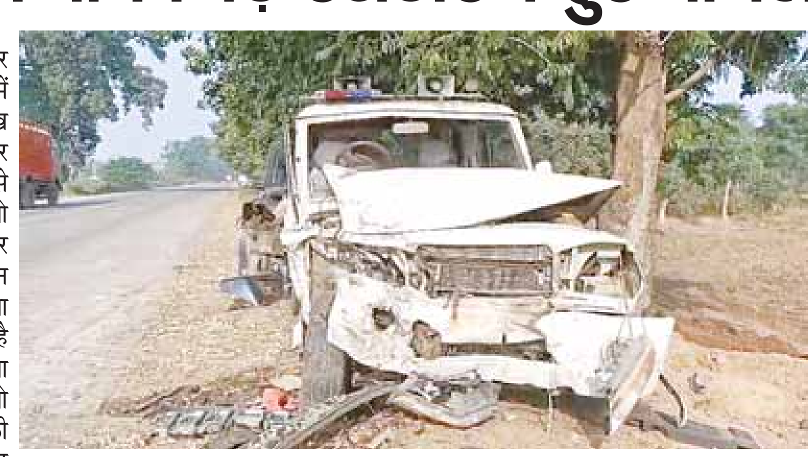

उमरिया। नौरोजाबाद बाइपास पर रविवार रात ऐसा मंजर देखने को मिला जिसने जिले में सडक़ सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। बांधवगढ़ के एसडीएम अंबिकेश सिंह और उनके ड्राइवर अनिल उस समय गंभीर रूप से घायल हो गए जब एक बेपरवाह स्कार्पियो चालक ने उनकी गाड़ी को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। प्रशासनिक अफसर का वाहन क्षतिग्रस्त होकर सडक़ पर बुरी तरह पिचक गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। खबर है एसडीएम पाली की ओर जा रहे थे। रास्ता सूना था, मगर अचानक सामने से आ रही स्कार्पियो तेज रफ्तार में कंट्रोल खो बैठी और सीधे उनकी कार पर टूट पड़ी। टक्कर की आवाज सुनकर आस-पास मौजूद लोग मौके की ओर दौड़े और दोनों घायलों को बाहर निकालने में जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे के तुरंत बाद स्कार्पियो चालक वाहन छोडक़र अंधेरे का सहारा लेकर फरार हो गया, जो उसकी लापरवाही से ज्यादा उसके अपराधबोध को दर्शाता है।हादसे में एसडीएम को कमर में गंभीर चोटें आई हैं। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार और सीटी स्कैन के बाद डॉक्टरों ने उन्हें जबलपुर रेफर कर दिया। ड्राइवर अनिल के हाथों में कई जगह फ्रैक्चर की आशंका जताई जा रही है। दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है, लेकिन विशेषज्ञों की निगरानी और आगे के इलाज की आवश्यकता बनी हुई है। इधर, नौरोजाबाद पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच तेज कर दी है। पुलिस ने स्कार्पियो के नंबर के आधार पर चालक की पहचान लगभग तय कर ली है और उसकी तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मौके से मिले साक्ष्य आरोपी के खिलाफ मजबूत केस तैयार करते हैं और गिरफ्तारी जल्द होगी। उधर जिला प्रशासन के अधिकारी अस्पताल पहुंचे और एसडीएम की स्थिति का जायज़ा लिया। इस दुर्घटना ने एक बार फिर जिले में तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोग पूछ रहे हैं कि आखिर कब तक सडक़ें ऐसे लापरवाह चालकों की मनमानी का शिकार बनती रहेंगी?

डिप्टी कलेक्टर को सौंपा गया प्रभार

अंबिकेश प्रताप सिंह डिप्टी कलेक्टर अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बांधवगढ़ सडक़ दुर्घटना में घायल होने से उपचार के लिए जबलपुर रेफर होने पर प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने प्रशासकीय कार्य व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बांधवगढ़ का प्रभार अंबिकेश प्रताप सिंह अनु. अधि. (रा.) बांधवगढ़ के स्वस्थ होकर कर्तव्य पर उपस्थित होने तक कमलेश राम नीरज प्रभारी डिप्टी कलेक्टर को अपने कार्य के साथ- साथ आगामी आदेश तक सौंपा है।

अब प्रातः 9 बजे से होगा विद्यालय का संचालन

शहडोल। जिले में तापमान में आई गिरावट को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय, मान्यता प्राप्त सी.बी.एस.ई तथा आई.सी.एस.सी. सहित समस्त बोर्डों से संबद्ध विद्यालयों के खुलने का समय प्रातः 09:00 बजे से नियत किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि यदि किसी विद्यालय का संचालन प्रातः 09:00 बजे या उसके पश्चात होता है तो समय यथावत रहेंगा।

विश्व मत्स्य दिवस पर आयोजित किया गया फिश प्रदर्शनी

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में विश्व मत्स्य दिवस के उपलक्ष्य में फिश प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की रंग-बिरंगी मछलियाँ, लगभग 35 प्रकार के जलीय पौधे, फिश लाइव फूड, फिश वैल्यू एडेड उत्पाद, स्वरोजगार एवं स्टार्टअप एवं भविष्य की संभावनाओ से संबंधित लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रदर्शित किए गए हैं। उक्त प्रदर्शनी का अवलोकन 19 से 21 नवम्बर तक प्रतिदिन दोपहर 12:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक आम नागरिक कर सकते है।

गुणवत्ता हीन सेवाएं बर्दाश्त नहीं: सीएमएचओ

सीएमएचओ का औचक निरीक्षण, लापरवाही पर सख्ती, दवा कमी पर फटकार, स्टाफ को चेतावनी

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहपारू का अचानक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए स्टाफ को कड़े निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवाओं की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था, वार्ड प्रबंधन और साफ-सफाई सहित केंद्र की संपूर्ण कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की। डॉ. मिश्रा ने पाया कि कई आवश्यक दवाओं का स्टॉक अपेक्षित स्तर पर नहीं है।

इस पर उन्होंने खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. यूबी सिंह को तत्काल प्रभाव से शासन के निर्देशों के अनुरूप दवाओं का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में मरीजों को दवाओं के अभाव का सामना नहीं करना चाहिए और अस्पताल प्रशासन इस दिशा में लापरवाही नहीं बरते। सीएमएचओ ने केंद्र में उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि स्टाफ समय से ड्यूटी पर उपस्थित रहें और मरीजों से संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए पूरी निष्ठा के साथ सेवा प्रदान करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकारी अस्पतालों में आने वाला प्रत्येक मरीज विश्वास और उम्मीद लेकर आता है, इसलिए उसकी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना स्वास्थ्य कर्मियों का पहला दायित्व है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों की स्थिति देखी और सफाई व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए। एंटी रैबीज वैक्सीन की उपलब्धता में कमी की शिकायत पर उन्होंने फार्मासिस्ट को मौके पर बुलाकर तत्काल वैक्सीन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डॉ. मिश्रा ने कहा कि गोहपारू स्वास्थ्य केंद्र सहित सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्ता हीन सेवाएं किसी भी हाल में स्वीकार नहीं होंगी। उन्होंने स्टाफ से कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, और आने वाले दिनों में ऐसे औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे।

टॉफी की लालच में पकड़े गए बच्चे

रिलायंस स्मार्ट प्वाइंट में बच्चों ने की चोरी

अंडरवियर में छिपाकर ले जा रहे थे महंगी टॉफियां

शहडोल। बच्चों की मासूमियत अक्सर उनकी शरारतों में दिखाई देती है, लेकिन बुढ़ार के अतिराज वाटिका परिसर स्थित रिलायंस स्मार्ट प्वाइंट में सामने आए एक मामले ने यह साबित कर दिया कि कभी-कभी छोटी लालसा भी बड़ी परेशानी खड़ी कर सकती है।

यहां 14 से 16 साल के तीन बच्चे महंगी टॉफियां चोरी कर अंडरवियर में छिपाकर ले जाते पाए गए, जिससे मामला पुलिस तक पहुंच गया। स्टोर मैनेजर विकास गुप्ता ने बताया कि बच्चे कुछ दिनों से स्टोर में आते-जाते रहे और सामान खरीदने का बहाना बनाकर टॉफियां चोरी करने की कोशिश कर रहे थे। पहली बार जब पकड़े गए, तो उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया, लेकिन टॉफी की लालसा इतनी प्रबल थी कि बच्चे पुनः उसी योजना को दोहराने आए। इस बार बच्चों ने पहले सामान्य सामान खरीदा और मौके का फायदा उठाकर ओपन फ्रीजर में रखी महंगी टॉफियां अपने अंडरवियर में छिपा लीं। स्टोर मैनेजर की नजर पड़ते ही तीनों रंगे हाथ पकड़े गए। सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट हुआ कि यह चोरी की योजना पहले भी कई बार अपनाई जा चुकी थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए स्टोर मैनेजर ने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। कुछ ही मिनटों में धनपुरी पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चों को बुढ़ार थाना ले जाया गया। थाने में बच्चों को सख्त हिदायत दी गई कि छोटी-मोटी चोरी भी अपराध की श्रेणी में आती है और भविष्य में इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। बाद में पुलिस ने बच्चों के अभिभावकों को बुलाया और उन्हें अपने बच्चों की निगरानी बढ़ाने के लिए चेतावनी दी। इस घटना ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया कि बच्चों की छोटी-मोटी इच्छाओं और लालसाओं पर ध्यान न देने पर वे बड़े अपराध की ओर बढ़ सकते हैं। समाज के लिए सबक यही है कि बच्चों को प्यार और सही मार्गदर्शन दें, ताकि टॉफी जैसी छोटी लालसा भविष्य में गलत रास्ता न दिखाए।

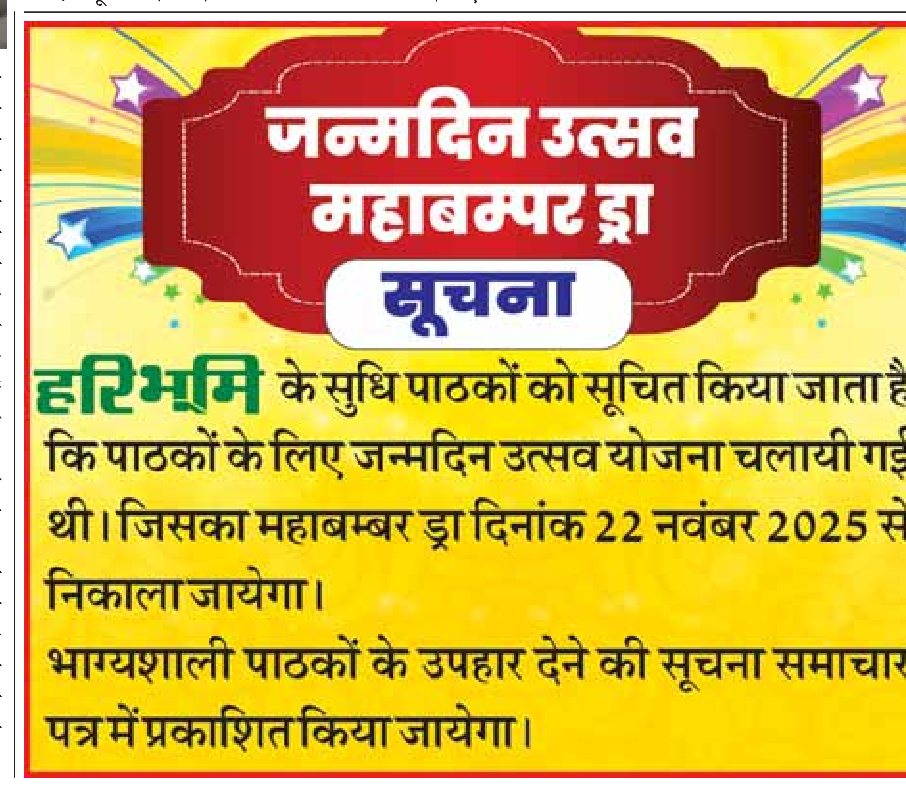

खबर संक्षेप

वृंदावन से आए मंडली कर रही रामलीला

हरिभूमि न्यूज, जमुना/बदरा। एक सप्ताह से चल रही रात में रामलीला राम के चरित्र का वर्णन देखने के लिए ग्रामीण जन एवं दफाई के लोगों की अपार भीड़ दिख रही है। शाम 7 से रात 11 तक हो रही रामलीला मंडली दोहे एवं प्रवचन के साथ अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं।

विवेक शिक्षा निकेतन के बच्चों ने किया कानन पेंडारी का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के विवेक शिक्षा निकेतन विद्यालय के बच्चों ने बिगत दिनों बिलासपुर स्थित कानन पेंडारी जूलेजिकल गार्डन का भ्रमण किया। बच्चों ने वन्य प्राणी संरक्षण का जीवंत नजारा बड़े ही नजदीक से देखा। बच्चों ने सफेद बाघ बाघ भालू दरियाई घोड़ा शुतुरमुर्ग नीलगाय मछली सर्प रंग बिरंगी पक्षियों को देखते बच्चों का मन प्रफुल्लित हो गया। विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों को वन्य प्राणी संरक्षण के बारे मे विस्तार से जानकारी देते हुए वन्य प्राणियों के महत्व के बारे मे समझाते हुए वन्य प्राणियों पर दया की भावना रखने की बात कही गई। वन्य प्राणी एवं पेड पौधे हमारे मित्र हैं इस संबंध मे भी बच्चों को बताया गया साथ ही पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे मे भी बारीकी से जानकारी दी गई। रास्ते मे बच्चों को रतनपुर स्थिति शक्ति पीठ महामाया माता के दर्शन कराने के साथ ही शक्ति के बारे मे जानकारी दी गई। बच्चों ने जमकर पिकनिक का आनंद भी उठाया।

नगर को स्वच्छ रखने चलाया गया विशेष सफाई अभियान

कटनी। नगर को साफ एवं स्वच्छ रखने तथा नागरिकों के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा निरंतर सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में रविवार को नगरीय एवं उपनगरीय क्षेत्रों सहित जिला चिकित्सालय परिसर में व्यापक सफाई अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत सफाई मित्रों की दलेल के माध्यम से जिला चिकित्सालय के मुख्य प्रवेश द्वार, वार्डों के बाहरी क्षेत्र, पार्किंग स्थल के पास सहित परिसर के विभिन्न स्थलों , पहुंच मार्गों की व्यवस्थित सफाई कराई का कार्य किया गया। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि शहर के मुख्य मार्गों, बाजार क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थलों की सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सफाई कराई जा है। इसी उद्देश्य से सफाई दल वार्डों का नियमित निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार कार्रवाई कर रहा है।

19 नवंबर को बंजारी और मझगवां में लोक सुनवाई

कटनी। विजयराघवगढ़ से कैमोर तथा बरही बायपास निर्माण के लिए कटनी के तहसील विजयराघवगढ़ के अन्तर्गत ग्राम बंजारी, मझगवां, गौरहा एवं कलहरा तथा तहसील बरही के ग्राम खन्ना बंजारी, बरही एवं बुजबुजा की जमीनों का अर्जन किया जाना है। इसके लिये कलेक्टर आशीष तिवारी ने इन सभी ग्रामों में लोकसुनवाई हेतु अपर कलेक्टर एवं जिला भू-अर्जन अधिकारी नीलांबर मिश्रा को नियुक्त किया है। भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियम, 2013 की धारा 5 के प्रावधान तहत सामाजिक समाघात निर्धारण के लिये परियोजना से प्रभावित क्षेत्रों व ग्रामों में लोकसुनवाई शिविर का आयोजन किया जायेगा।

पैचवर्क की आड़ में पीडब्ल्यूडी की लापरवाही उजागर

नवलपुर रोड पर मरम्मत नहीं, चढ़ रहीं भ्रष्टाचार की परतें!

ठेका निजी, काम सरकारी, जवाबदेही गायब

शहडोल। जिले की सडक़ों का हाल किसी भी यात्री के सब्र का इम्तिहान लेने के लिए काफी है, मगर इन दिनों नवलपुर से यूनिवर्सिटी तक जाने वाली सडक़ पर हो रहा पैचवर्क पूरे जिले में चर्चा और गुस्से का विषय बन चुका है। वजह साफ है, सरकारी महकमे और ठेकेदारों की सांठ-गांठ ने मरम्मत कार्य को सुधार अभियान नहीं बल्कि एक और भ्रष्टाचार-प्रदर्शन में तब्दील कर दिया है। जिले में वर्षों से फैला भ्रष्टाचार अब ऐसी ऊंचाई पर पहुंच गया है कि सामान्य नागरिकों की शिकायतें, विभागीय जांच और गुणवत्ता नियंत्रण सब कुछ महज़ औपचारिकता बनकर रह गया है। पीडब्ल्यूडी की जिम्मेदारी हो या तकनीकी मानकों का पालन, दोनों ही इस सडक़ पर बिखरी धूल की तरह उड़ते नजऱ आ रहे हैं।

बनते ही 'उखडऩे' की शुरूआत

नवलपुर रोड पर पैचवर्क के नाम पर जो काम चल रहा है, उसे देखकर कोई भी समझ सकता है कि यह सडक़ लंबे समय तक टिकने वाली नहीं है। सडक़ की असली मरम्मत की जगह गड्ढों को ऊपर-ऊपर से भर देने की 'परंपरागत नीति' फिर दोहराई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि काम शुरू होते ही गड्ढों को ऐसे भरा जा रहा है मानो जनता को दिखाने के लिए हल्की-फुल्की मेकअप की परत चढ़ाई जा रही हो, न अंदर मजबूती, न ऊपर से ढंग की फिनिशिंग। हाल यह है कि सडक़ का असली दर्द जस का तस है और ऊपर चिपका दिया गया मरहम बस कुछ दिनों की औपचारिक राहत देगा। दिनभर आवाजाही करने वाले छात्रों और कर्मचारियों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। गड्ढे भरे तो जा रहे हैं, लेकिन इतने लापरवाही भरे तरीके से कि सडक़ पर वाहन चलाना जोखिम उठाने जैसा बन गया है।

तकनीकी मानक गायब

विभागीय मेंटेनेंस टीम पर 'मनमानी' का बोलबाला है। जिस टीम पर तकनीकी खामियों को पहचानने और रोकने के लिए जिम्मेदार है, वही कथित रूप से सबसे ज्यादा लापरवाही दिखा रही है। आरोप है कि काम शुरू होने के पहले दिन से ही कमीशन का खेल इतना बेखौफ होकर चल रहा है कि गुणवत्ता के मानकों की किताब शायद कार्यालय की अलमारी में बंद होकर धूल खा रही होगी। सडक़ की सतह पर जिस क्वालिटी की लेयर बिछाई जानी थी, उस पर समझौता शुरुआत से ही साफ दिख रहा है। जल्दबाजी में खानापूर्ति और ऊपर से चिपका दिया गया पतला पैच यह दर्शाता है कि काम टिकाऊ कम और दिखावटी ज्यादा है। स्थानीय इंजीनियरों तक ने अनौपचारिक रूप से माना कि जिस सामग्री की जरूरत थी, उसकी मात्रा और गुणवत्ता दोनों में कमी साफ झलक रही है। इससे सडक़ के मौसम बदलते ही दोबारा उखड़ जाने की आशंका पहले ही दिन से बनाई जा रही है।

ठेका निजी, काम सरकारी

सबसे हैरान कर देने वाली बात यह सामने आई है कि ठेका निजी ठेकेदार के नाम पर है, लेकिन काम कराने के लिए सरकारी मज़दूर लगाए जा रहे हैं। यानी मुनाफा ठेकेदार का, श्रम मजदूरों का और जिम्मेदारी हवा में घुली हुई, यह मॉडल खुद इस बात का संकेत है कि काम किस मनमर्जी और किस ढर्रे पर चल रहा है। जब ठेकेदार को न मजदूरी देनी है न गुणवत्ता का जोखिम उठाना है, तो फिर सडक़ के बिखरने का दर्द उसे क्यों होगा? स्थानीय लोगों का कहना है कि जब सरकार ठेकेदार को मोटी रकम दे रही है, तो फिर उसका काम सरकारी मजदूर क्यों कर रहे हैं और अगर मजदूर सरकारी हैं, तो ठेका किस बात का?

राहगीरों के सब्र का बांध टूटा

स्थानीय राहगीरों ने स्थिति पर खुलकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि नवलपुर रोड पिछले कई सालों से बुरी हालत में थी और अब जो काम हो रहा है, वह भी उसी लापरवाही की कड़ी है। लोगों का कहना है कि सडक़ के नाम पर सरकार बस खानापूर्ति कर रही है, आज मरम्मत, कल उखडऩा और परसों फिर वही टेंडर, वही लागत और वही भ्रष्टाचार का चक्र चलता रहेगा, छात्र, दुकानदार और वाहन चालक सभी का कहना है कि अगर यही गति और यही गुणवत्ता रही, तो अगले कुछ हफ्तों में सडक़ फिर उसी अवस्था में पहुंच जाएगी, जहां से काम शुरू हुआ था।

सरकारी विभाग पर बड़ा सवाल

पूरी प्रक्रिया यह दिखाती है कि नवलपुर रोड पर मरम्मत कम, 'दिखावा' ज्यादा हो रहा है। सवाल उठ रहा है कि क्या विभाग को सडक़ की हालत की परवाह है या फिर सबकुछ फाइलों और टेंडरों के खेल में ही सिमट चुका है? जिले में विभागीय निगरानी की स्थिति वैसे ही कमजोर मानी जाती है, लेकिन इस मामले ने इसे और उजागर कर दिया है। जनता जानना चाहती है कि क्या पीडब्ल्यूडी गुणवत्ता जांच को गंभीरता से लेगा?

जवाबदेही की मांग तेज

नवलपुर रोड का मामला अब केवल सडक़ की मरम्मत का मुद्दा नहीं रहा। यह सरकारी विभागों की कार्यप्रणाली, पारदर्शिता, गुणवत्ता-निगरानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता के बढ़ते गुस्से का प्रतीक बन गया है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि पीडब्ल्यूडी इस गंभीर शिकायत को लेकर क्या कदम उठाता है। क्या यह मनमानी थमेगी या फिर सडक़ें और जनता दोनों ही अपनी हालत पर खुद ही लडख़ड़ाती रहेंगी।

प्रभारी कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाए । उन्होने कहा कि जो विभाग प्रमुख डी ग्रेड की श्रेणी में है वे सभी विभाग ए ग्रेड में आना सुनिश्चित करें । बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने बीएलओ सुपरवाईजरो से कहा कि अपने क्षेत्रांतर्गत सघन निरीक्षण करें बीएलओ से संपर्क कर एसआईआर कार्य में आने वाली समस्याओं को सुने एवं एसआईआर के कार्य में तेजी लाएं। बैठक में संयुक्त कलेक्टर रीता डहेरिया,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, एसडीएम पाली मीनांक्षी इंगले, सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय वोटर हेल्प डेस्क स्थापित

उमरिया। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी म.प्र. भोपाल व्दारा अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के मान से निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 कार्यक्रम जारी किया गया है। जारी कार्यक्रम अनुसार 4 नवंबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 (एसआईआर) का कार्य संपादित किया जाना है।

इन्युमरेशन पीरियड में बीएलओ द्वारा प्रत्येक मतदाता के घर-घर भ्रमण कर प्री-प्रिंटेड इन्युमरेशन फार्म का वितरण किया जावेगा, जिसे मतदाता द्वारा भरकर बीएलओ को वापस करना होगा। इन्युमरेशन फार्म में मतदाता को वर्ष 2003 की निर्वाचक नामावली में उनका नाम अथवा उनके माता-पिता अथवा दादा-दादी के नाम विवरण दर्ज करने की आवश्यकता पड़ेगी। अन्य राज्यों से जिले में आने वाले मतदाताओं के लिए भी यह विवरण दर्ज करना आवश्यक रहेगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार आम मतदातओ की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तर पर एसआईआर वर्ष 2026 के संबंध में जानकारी देने इन्युमरेशन फार्म मे भरने मे सहायता करने , वर्ष 2003 की नामावली मे उनका अथवा उनके परिजनो के नाम का विवरण ढूढने मे उनका सहयोग करने हेतु पूर्व मे जारी आदेश मे आंशिक संशोधन करते हुए कार्यालय कलेक्टर जिला उमरिया भू तल के कक्ष क्रमांक 25 मे जिला स्तरीय वोटर हेल्प डेस्क स्थापित किया जाकर उसके संचालन हेतु दो शिफ्ट मे अधिकारियों, कर्मचारियो की डयुटी लगाई है । जिसमें प्रबंधन लोक सेवा प्रबंधन शुभांगी मित्तल को प्रभारी बनाया गया है तथा , कुलदीपक साहू डाटा इंट्री आपरेटर जिला शिक्षा केंद्र , बृजेश पटेल डाटा इंट्री आपरेटर एसीटीडब्ल्यू की प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक के लिए तथा दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक के लिए के के डेहरिया डीपीसी सर्व अभियान को प्रभारी बनाया गया है तथा अंकित वर्मा सहायक वर्ग -3 उद्यानिकी तथा सुजीत सिंह डाटा इंट्री आपरेटर खाद्य विभाग की डयुटी लगाई गई है। हेल्प डेस्क का प्रमुख उद्देश्य निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण अथवा इन्युमरेशन फार्म के संबंध में कठिनाई को लेकर जिला कार्यालय मे आने वाले अधिक से अधिक मतदाताओ को सहायता उपलब्ध कराना है । हेल्प डेस्क क्षेत्रो के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियो से भी संपर्क मे रहकर कार्य करेगा तथा जिले मे स्थापित किए जाने वाले अन्या हेल्प डेस्क से भी समन्वर करेगा ।

उन्होने अधिकारियो कर्मचारियो से कहा है कि 16 नवंबर से 4 दिसंबर तक प्रतिदिन अपने आवंटित समय मे निर्धारित स्थल कार्यालय जिला उमरिया भू तल के कक्ष क्रमांक 25 मे उपस्थित होकर जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश में कार्य संपादित करना सुनिश्चित करेंगे ।

अधिकारियो कर्मचारियों की लगाई ड्युटी

उमरिया। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के मान से निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 का कार्यक्रम प्रचलित है । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र भोपाल द्वारा निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पूर्ण होने तक जिला स्तर पर डिस्ट्रिक कान्टेक्ट सेंटर पर टोल फ्री नंबर 1950 संचालित किए जाने के निर्देश दिए गए है। प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने आयोग के निर्देशानुसार जिला स्तर पर डिस्ट्रिक कान्टेक्ट पर टोल फ्री नंबर 1950 का संचालन हेतु अधिकारियो कर्मचारियो की ड्युटी लगाई है जिसके नोडल अधिकारी सतीश सोनी नायब तहसीलदार भू अभिलेख उमरिया है । इसके साथ ही प्रथम पारी मे क्षितिज सिंह उपयंत्री लोनिवि, सौरव श्रीवास्तव सहायक वर्ग -3 पीआईयू कि प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक के लिए , द्वितीय पारी में शेख मुल्ताज खान उपयंत्री सर्व शिक्षा अभियान तथा मनोत्स प्रजापति सहायक वर्ग -3 कार्यालय उप संचालक पशु चिकित्साा सेवाएं कि दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक के लिए ड्युटी लगाई है। उन्होंने कर्मचारियो से कहा है कि 7 फरवरी तक प्रतिदिन अपने आवंटित समय में निर्धारित स्थल कार्यालय कलेक्टर के भू तल कक्ष क्रमांक 25 मे उपस्थित होकर नोडल अधिकारी के निर्देशन मे डिस्ट्रिक सेंटर पर टोल फ्री नंबर 1050 का संचालन करेंगे तथा टोल फ्री नंबर 1950 के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतो का निराकरण संबंधित ई आर ओ के माध्यम से कराकर निराकरण कि जानकारी आयोग को भेजना सुनिश्चित करेंगे ।

एसआईआर के अंतर्गत घर-घर जाकर किए जा रहे गणना पत्रक वितरित

हरिभूमि न्यूज कोतमा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान के तहत कोतमा नगर पालिका क्षेत्र में मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए एसआईआर प्रक्रिया संचालित की जा रही है। नगर पालिका क्षेत्र के सभी बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और दो प्रतियों में तैयार गणना पत्रक वितरित कर रहे हैं।

अध्यक्ष ने किया घर घर भ्रमण

सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ नगर पालिका कर्मचारियों के साथ वार्ड क्रमांक तीन में घर घर जाकर लोगों से अपील करते हुए कहा है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य मे सहयोग करें यदि किसी भी प्रकार से परेशानी होती है तो मुझसे या नगर पालिका के कर्मचारियों से सहयोग ले जिससे यस आई आर का कार्य जल्द हो सके।

एसडीएम एवं तहसीलदार का मार्गदर्शन

इसी प्रकार एसआईआर के संबंध में कोतमा एसडीएम, तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा कोतमा विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है और बीएलओ को मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इसके साथ ही सभी अधिकारी मतदाताओं को इस एसआईआर प्रक्रिया के गणना पत्रक भरने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। चरणबद्ध रूप से संचालित हो रही है एसआईआर प्रक्रिया - यस डी यम अजीत तिर्की ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया को तीन चरणों में संचालित किया जा रहा है। प्रथम चरण में घर-घर जाकर गणना पत्रक भरने एवं सत्यापन का कार्य 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक संचालित किया जा रहा है। इसके पश्चात 9 दिसम्बर को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। जिस पर 8 जनवरी तक दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। सुनवाई एवं प्रमाणीकरण की प्रक्रिया 31 जनवरी 2026 तक पूर्ण की जाएगी तथा 7 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को पूर्णतः शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र नाम सूची में शामिल न हो।

तहसीलदार से अभद्र व्यवहार एवं धमकी देने पर सरपंच के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध

हरिभूमि न्यूज: कटनी स्लीमनाबाद तहसीलदार के साथ अभद्र व्यवहार एवं धमकी देने के मामले में सरपंच के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया है। स्लीमनाबाद तहसीलदार सारिका रावत ने लिखित पत्र 14 नवंबर को स्लीमनाबाद पुलिस को सौंपा है।

उन्होंने शिकायत पत्र में उल्लेख किया है कि सरपंच बसोरीलाल यादव पिता कौराई यादव निवासी सलैयाफाटक के द्वारा प्रस्तुत शिकायत आवेदन पर 14 नवंबर 2025 को ग्राम सलैयाफाटक भूमि ख.नं. 158 रकवा 0.86 हे. एवं खसरा 160 रकवा 0.62 हे. कुल भूमि के अंशभाग शासकीय भूमि मद छोटे झाड का जंगल एवं शमसान की भूमि पर इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 945/प्रवा/नातह/ 2025 स्लीमनाबाद 11 नवंबर 2025 के परिपालन में गठित दल के द्वारा उक्त भूमि से अनावेदक को बेदखल करने गया था। मौके पर अनावेदक की पत्नि हाथ में जहर लेकर जहर खाने की धमकी देने लगी। जिससे उक्त भूमि से अनावेदक को बेदखल करने की कार्यवाही नहीं की जा सकी। मौके पर पुलिस प्रशासन उपस्थित नहीं था।

14 नवंबर को दोपहर लगभग 2 बजे सरपंच बसोरीलाल ने तहसील कार्यालय में आकर समस्त स्टाफ के सामने महिला तहसीलदार से बेहद अभद्र भाषा में बात की एवं धमकी दी। शिकायती पत्र में उक्त बातों का उल्लेख करते हुए महिला तहसीलदार ने कहा की जिस समय यह घटना हुई उस समय वहां अतिरिक्त महिला रीडर एवं तीन अन्य कर्मचारी मौजूद थे। घटना के समय महिला तहसीलदार के अलावा पटवारी अजय मार्को, रीडर सोनल मिश्रा, सर्वेश मिश्रा, दुर्गेश बर्मन एवं निजि आपरेटर उपस्थित था।

सरपंच पर मामला दर्ज

थाना प्रभारी सुदेश कुमार सुवन ने बताया कि तहसीलदार स्लीमनाबाद सारिका रावत के शिकायत पत्र के आधार पर ग्राम पंचायत सलैया फाटक सरपंच बसोरी लाल यादव उर्फ आफतलाल यादव पिता कौराई यादव के खिलाफ धारा 221, 351 (2), 3 (1) द.3 (2) बीएनएस का मामला पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

महापौर ने सीवरेज की पाइप लाइन विस्तार एवं रेस्टोरेशन कार्य का किया निरीक्षण, दिये निर्देश

रेस्टोरेशन कार्य में कमी मिलने पर जताई नाराजगी, कहा- गुणवत्ता से समझौता नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कटाये घाट मोड़ से बरगवा तक जारी सीवरेज योजना के तहत पाइप लाइन विस्तार के कार्यों का विस्तृत स्थल निरीक्षण किया। महापौर ने कंपनी के प्रतिनिधियों से कार्य की प्रगति, वर्तमान स्थिति और पूर्णता की समय-सीमा संबंधी जानकारी ली। प्रतिनिधियों ने बताया कि अगले दस दिनों में सीवरेज कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

महापौर सूरी ने स्पष्ट कहा कि सीवर लाइन डालने के बाद रेस्टोरेशन और रोड निर्माण कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ तेज़ गति से शेष कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क और जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों में देरी या त्रुटि सीधे नागरिकों को प्रभावित करती है, इसलिए गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान महापौर सूरी माधव नगर कैंप, जोधाराम गेट के पास शनि चौक पहुँचीं जहाँ उन्होंने हाल ही में किए गए रेस्टोरेशन कार्य का भी निरीक्षण किया। कार्य संतोषजनक न मिलने पर उन्होंने नाराज़गी व्यक्त करते हुए पुनः सही तरीके से रेस्टोरेशन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधूरे या खराब गुणवत्ता वाले कार्य किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होंगे। महापौर ने स्थानीय निवासियों द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही सड़क पर जलभराव की समस्या का भी स्थल निरीक्षण किया। क्रॉस-ड्रेन न होने से उत्पन्न समस्या को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्थायी समाधान हेतु क्रॉस-ड्रेन निर्माण का विस्तृत एस्टिमेट तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। नगर निगम लगातार सीवरेज परियोजनाओं, रेस्टोरेशन कार्यों तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहा है। महापौर ने कहा कि शहरवासियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है, और इसी उद्देश्य से सभी कार्यों की नियमित समीक्षा और निरीक्षण किए जा रहे हैं।

कार्यालय जनपद पंचायत गोहपारू, जिला-शहडोल

क्रमांक/ज. पं./ई-निविदा/फा-86/2025/1877 गोहपारू, दिनांक 17/112025

आनलाईन ई-निविदा सूचना

कार्यालय कलेक्टर जिला शहडोल के पत्र क्रमांक / डी.एम.एफ./2025/471 शहडोल दिनांक 15. 07.2025 के द्वारा दिए गए निर्देशांनुसार कार्यालय तहसील एवं जनपद पंचायत गोहपारु मे ई- आफिस कार्य प्रणाली क्रियान्वित करने के निर्देश के पालन मे जनपद पंचायत गोहपारु द्वारा ब्राण्डेड कम्प्यूटर, प्रिन्टर, स्कैनर एवं अन्य आवश्यक उपकरण क्रय किये जाने हेतु आनलाईन निविदा कार्यालयीन पत्र क्रमांक कार्यालयीन पत्र क्रमांक / ज. पं. / ई निविदा / 2025 / 1737 गोहपारु दिनांक 28.10.2025 एवं ई-निविदा संसोधन कार्यालयीन पत्र क्रमांक 1876 गोहपारु दिनांक 17.11.2025 के माध्यम से जारी कर निविदा दिनांक 01.12.2025 को शाम 5.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण वेवसाईट www.mptenders.gov.in के माध्यम से प्राप्त की सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत गोहपारु
जिला-शहडोल (म.प्र)

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मोहम्मद बिलाल चयनित

शहडोल। सहायक संचालक खेल रईस अहमद ने बताया कि जिला मुख्यालय के अशासकीय ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में अध्यनरत मोहम्मद बिलाल पिता मोहम्मद मुस्तफा कासिम का चयन राष्ट्रीय शालेय एथलेटिक्स 19 वर्ष बालक वर्ग में गोला फेंक प्रतियोगिता हेतु चयनित किया गया है। उन्होंने बताया कि स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 69 वी शालेय राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता, भिवानी (हरियाणा) में 26 से 30 नवंबर 2025 तक आयोजन किया जाएगा, जिसका प्री नेशनल कोचिंग कैंप सागर में 19 से 20 नवंबर 2025 तक कराया जाएगा। राष्ट्रीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता हेतु चयनित खिलाड़ी मोहम्मद बिलाल को संयुक्त संचालक उमेश कुमार धुर्वे, सहायक संचालक खेल रईस अहमद, सुदर्शन मिश्रा, अशासकीय ज्ञानोदय विद्यालय शहडोल की पी.टी.आई. शिवानी नामदेव, हेमंत सिंह सहित अन्य लोगो ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामानाएं दी।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

उमरिया। जिले के अमरपुर चौकी पुलिस ने अवैध हथियार के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता प्राप्त की है। अमरपुर क्षेत्र में 16 नवंबर को गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि एक कार में संदिग्ध व्यक्ति हथियार ले जा रहा है। सूचना पर चौकी प्रभारी शिवनाथ प्रजापति ने टीम के साथ मानपुर-बरही रोड पर चेकिंग बढ़ा दी। चेकिंग के दौरान सफेद रंग की कार एमपी 18 सी 6917 को रोका गया। वाहन में सवार प्रकाश तिवारी उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम भमरहा थाना मानपुर, हाल निवासी नौरोजाबाद संदिग्ध पाया गया। तलाशी लेने पर सीट के नीचे से एक देशी कट्टा 315 बोर और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने कार, कट्टा और कारतूस जब्त कर युवक को हिरासत में ले लिया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी हथियार कहां से लाया और इसे किस उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करना चाहता था। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी शिवनाथ प्रजापति के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक गौरव तिवारी, आरक्षक पवन, आरक्षक सागर और श्याम बिहारी शामिल रहे।

शहडोल रेलवे स्टेशन पर स्टैंड ठेकेदार की मनमानी

शहडोल। जिले के ब्यौहारी रेलवे स्टेशन के बाहर स्टैंड ठेकेदार और उसके कर्मचारियों द्वारा वाहन चालकों से मनमानी वसूली का मामला सामने आया है। धीरेंद्र कुमार पटेल, निवासी वार्ड नंबर 5, ने बताया कि हाल ही में अपनी बीमार मां को लेकर कटनी जाने और वापस आने के दौरान उनकी मोटरसाइकिल स्टैंड पर खड़ी की। स्टैंड पर उन्हें पर्ची दी गई, जिसमें 10 रुपये प्रति वाहन शुल्क निर्धारित था, लेकिन जब धीरेंद्र आठ घंटे बाद अपनी मोटरसाइकिल लेने गए, तो ठेकेदार के कर्मचारी ने 50 रुपये की मांग शुरू कर दी। विरोध करने पर कर्मचारी ने उन्हें धमकाया। घटना का वीडियो भी धीरेंद्र ने रिकॉर्ड किया है, जिसमें स्पष्ट दिख रहा है कि स्टैंड कर्मचारी मनमाना शुल्क वसूल रहे हैं। मजबूरी में पीड़ित ने मां के साथ मोटरसाइकिल लेकर 50 रुपये देकर वाहन लिया। धीरेंद्र ने इस मामले की शिकायत टोल फ्री नंबर और 139 में दर्ज करवाई, लेकिन बीती रात ठेकेदार और उसके लोग उन्हें फोन कर शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने लगे। धीरेंद्र ने मीडिया को बताया कि उन्होंने थाने में भी शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोग भी इस मनमानी वसूली से परेशान हैं। अवतार सिंह ने कहा कि रेलवे स्टेशन पर तो हद ही हो गई है। स्टैंड कर्मचारी वाहन चालकों को चारों तरफ से घेरकर जबरन पैसे ले लेते हैं।

एसईसीएल डायरेक्टर टेक्निकल ने किया सिलाई—बुनाई केंद्र का शुभारंभ

व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र का किया विस्तृत निरीक्षण महिलाओं को मिली सिलाई किट, प्रशिक्षण गतिविधियों की सराहना

एसईसीएल सोहागपुर एरिया के व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (BTC) में रविवार, 17 नवंबर को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण की नई व्यवस्थाएँ, सुरक्षा मानक, आधुनिक मॉडल और कर्मियों के कौशल विकास से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा व निरीक्षण किया गया।

धनपुरी।

तकनीकी व प्रशिक्षण गतिविधियों का मूल्यांकनरविवार को हुए इस विशेष आयोजन में प्रशिक्षण केंद्र की विभिन्न इकाइयों—ओपन कास्ट मॉडल सेक्शन क्लासरूम व वर्कशॉपसेफ्टी ट्रेनिंग यूनिटमॉडल रूम व ट्रेनिंग गैलरीका क्रमवार निरीक्षण किया गया।ट्रेनिंग स्टाफ ने उपस्थित अधिकारियों को प्रशिक्षण के तरीकों, उपकरणों, माइन सेफ्टी मॉडल, गैस चेंबर सिस्टम और नई तकनीक आधारित कार्य प्रणाली की जानकारी दी।प्रशिक्षुओं से हुई सीधी बातचीतकार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कर्मचारियों व युवाओं से सीधे संवाद किया। उनसे प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आवश्यकताओं और व्यवहारिक अभ्यास के बारे में सुझाव भी प्राप्त किए। प्रशिक्षुओं ने बताया कि बीटीसी में आधुनिक ट्रेनिंग मॉडल और व्यावहारिक अभ्यास से उन्हें खदानों में सुरक्षित व कुशल कार्य करने में मदद मिल रही है।कौशल विकास को मिली नई दिशाइस खास आयोजन में बीटीसी द्वारा अपनाए गए स्मार्ट ट्रेनिंग मॉड्यूल, सुरक्षा आधारित पावर-पॉइंट प्रदर्शन, और ओपन कास्ट माइनिंग की तकनीकों की आधुनिक प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। अधिकारियों ने प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि "सोहागपुर एरिया बीटीसी कर्मियों को सुरक्षित, सक्षम और आधुनिक तकनीकों के अनुरूप प्रशिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।"बीटीसी स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका सराही गईएरिया ट्रेनिंग ऑफिसर (ATO), VTO टीम, प्रशिक्षकों और तकनीकी स्टाफ द्वारा पूरे कार्यक्रम के सफल संचालन में निभाई गई भूमिका की भी सराहना की गई। अधिकारियों ने कहा कि प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्था और अनुशासन उच्च स्तर का है, जिसे आगे और मजबूत किया जाएगा।कार्यक्रम का समापन सहयोग व धन्यवाद ज्ञापन के साथकार्यक्रम के अंत में बीटीसी प्रबंधन की ओर से सभी अधिकारियों, प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। रविवार को हुआ यह विशेष आयोजन बीटीसी की लगातार उन्नत होती प्रशिक्षण प्रणाली का प्रमाण रहा, जिसने सोहागपुर एरिया को प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक नई पहचान दी है।

चचाई पावर प्लांट के 8 सफाई कर्मियों को हटाए जाने पर विरोध

भूख हड़ताल के बाद प्रशासन ने 5 कर्मचारियों को तुरंत कार्य पर लिया, 3 को 10—15 दिन में रखने का आश्वासन

अमलाई।

मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी चचाई में हैप्पी स्क्वायर आउटसोर्सिंग के माध्यम से 10—12 वर्षों से सफाई कार्य में लगे 8 कर्मचारियों को अचानक हटाए जाने के विरोध में आज अनूपपुर कलेक्टर कार्यालय के सामने एक दिवसीय भूख हड़ताल की गई।इस प्रदर्शन में प्रदेश स्तरीय कोल जनजातीय विकास परिषद के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, नगर परिषद बरगवां—अमलाई के उपाध्यक्ष डॉ. राज तिवारी, पार्षद सौरभ कोरी तथा सभी प्रभावित कर्मचारी उपस्थित रहे।विभागीय कार्रवाई पर उठे सवालकलेक्टर कार्यालय, श्रम विभाग तथा जनजातीय विकास विभाग द्वारा जारी पत्रों में कर्मचारियों को हटाने की प्रक्रिया पर आपत्ति जताई गई थी तथा उन्हें पुनः कार्य पर लेने के निर्देश दिए गए थे।भूख हड़ताल के बाद बड़ा निर्णयदिनभर चली भूख हड़ताल और बातचीत के बाद प्रशासनिक अधिकारियों तथा मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी चचाई के जिम्मेदार अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि—8 में से 5 कर्मचारियों को तुरंत आज ही कार्य पर वापस ले लिया गया,शेष 3 कर्मचारियों को 10 से 15 दिनों के भीतर कार्य पर रखने का आश्वासन दिया गया है।कर्मचारियों ने कहा—> "हम वर्षों से सफाई का कार्य कर रहे थे। आज की कार्रवाई के बाद हमें न्याय की एक किरण दिखाई दी है।" रामलाल रौतेल ने कहा—> "यह श्रमिकों के हित में लिया गया सही निर्णय है। हम तब तक सतर्क रहेंगे जब तक सभी 8 कर्मचारी पूरी तरह से कार्य पर नहीं ले लिए जाते।"उपाध्यक्ष डॉ. राज तिवारी और पार्षद सौरभ कोरी ने भी प्रशासन के निर्णय का स्वागत किया और कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की यह लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।हड़ताल शांतिपूर्ण रूप से समाप्त हुई और कर्मचारी प्रशासन के आश्वासन के बाद लौटे।

रामपुर बटुरा से अमलाई ओसीएम तक, किसानों की पीड़ा और पुराने हादसे की गूंज

एसईसीएल डायरेक्टर टेक्निकल का सोहागपुर में निरीक्षण

धनपुरी।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया में सोमवार को अचानक हलचल मच गई, जब एसईसीएल के डायरेक्टर टेक्निकल फ्रैंकलिन जयकुमार निरीक्षण के लिए सीधे रामपुर बटुरा ओसीएम पहुंच गए। उनके साथ सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक जेना, जीएम ऑपरेशन मनीष श्रीवास्तव, और उपक्षेत्रीय प्रबंधक भी मौजूद रहे।मौके पर पहुंचे अधिकारी रेलवे साइडिंग के लिए बनाए जाने वाले सेलो की प्रस्तावित जगह, भू-आकृति, सुरक्षा और तकनीकी व्यवस्थाओं का जायजा लेते दिखाई दिए। बताया गया कि सेलो निर्माण से क्षेत्र में कोयला लोडिंग और परिवहन सुगम होगा।इसी दौरान स्थानीय किसान भी अपनी विभिन्न समस्याओं के साथ मौके पर खड़े मिले, जिनकी शिकायतें डायरेक्टर टेक्निकल के सामने रखी गईं। किसानों ने भूमि संबंधी दिक्कतों, मुआवजे और प्रभावित क्षेत्रों में समाधान की आवश्यकता उजागर की। अधिकारियों ने समस्याओं को विस्तार से सुना और उन्हें जल्द निराकरण का आश्वासन दिया।अमलाई ओसीएम में पुराने हादसे की टीस अब भी कायम—मशीन आज तक नहीं निकली, उत्पादन पर भारी असरनिरीक्षण का अगला पड़ाव रहा अमलाई ओसीएम, जहां आरके ट्रांसपोर्ट कंपनी द्वारा ओबी निकालने का काम किया जा रहा है। यही वह खदान है जहां काम शुरू होते ही बड़ा हादसा हुआ था।ओबी स्लाइड होने से हॉलपैक और डोजर मशीन पानी में समा गए, और हादसे में हॉलपैक चालक की मौत हो गई थी। आश्चर्य की बात यह है कि डूबे हुए हॉलपैक को आज तक बाहर नहीं निकाला जा सका है, जिससे इस मामले को लेकर कर्मचारियों में नाराजगी और असुरक्षा की भावना बनी हुई है।हादसे के कारण कोयला उत्पादन लगभग डेढ़ माह तक प्रभावित रहा, जिसका असर आज भी उत्पादन लक्ष्य पर दिखता है। निरीक्षण के दौरान डीटी साहब ने सुरक्षा मानकों में सुधार, ढलानों की स्थिरता, वॉटर मैनेजमेंट और मशीनरी संचालन पर कड़े निर्देश दिए।

सी.एम. हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता से करें निराकरणः कलेक्टर

शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि **सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को टालमटोल नहीं किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि 50 दिनों से अधिक समय से लंबित किसी भी शिकायत को तत्काल प्रभाव से निपटाया जाए और ऐसे प्रकरणों का निराकरण पूर्ण गुणवत्ता और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। कलेक्टर ने बैठक में अनेक विभागों के अधिकारियों से जवाब-तलब करते हुए कहा कि कई मामलों में शिकायतें अनदेखी की जा रही हैं, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं शिकायतों का मॉनिटरिंग कार्य संभालें और समाधान की अद्यतन स्थिति एल-1 अधिकारियों के माध्यम से समय पर दर्ज कराएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को केवल कागजी कार्रवाई में निपटाया जाना विभागीय लापरवाही का संकेत है। इसलिए अब हर विभाग अपने-अपने अधीनस्थ मैदानी अमले को स्पष्ट जिम्मेदारी सौंपे, ताकि किसी शिकायत को अनअटेंडेड न छोड़ा जाए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, उनके जिला प्रमुख अधिकारियों को शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि शिकायतों पर त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी कार्रवाई ही शासन की प्राथमिकता है, और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विभागों को चेतावनी देते हुए कहा कि गुणवत्ता विहीन या अधूरे समाधान को निराकरण नहीं माना जाएगा। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, संयुक्त कलेक्टर प्रगति वर्मा, डिप्टी कलेक्टर अन्तोनिया एक्का सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सभी विभागों को दोहराया कि शिकायतों का समाधान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता के प्रति सरकारी जवाबदेही का महत्वपूर्ण दायित्व है।

देवलोंद में हाईवा अनियंत्रित होकर घर में घुसा

अवैध रेत माफिया और पुलिस की कथित सांठ-गांठ पर सवाल

शहडोल।

जिले के देवलोंद थाना क्षेत्र के ग्राम चोरी में रविवार की देर रात एक हाईवा अनियंत्रित होकर सीधे एक घर में घुस गया। हादसा इतना भयंकर था कि घर की बाउंड्रीवॉल टूटकर बिखर गई, लेकिन बाउंड्रीवाल की मौजूदगी ने अंदर सो रहे परिवार की जान बचा ली। हाईवा में भरी रेत को रातों-रात हटाने का प्रयास किया गया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि इसमें कोई संदिग्ध मंशा भी हो सकती है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का धंधा चलता आ रहा है। सूत्रों के अनुसार प्रतिदिन लगभग 50 हाईवा रेत लेकर रीवा भेजे जाते हैं, लेकिन रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। लोग यह भी मानते हैं कि पुलिस और रेत माफिया के बीच सांठगांठ है, जिससे कार्रवाई नहीं हो रही।

हादसे ने इस अवैध कारोबार की गंभीरता उजागर कर दी है। स्थानीय ग्रामीण सवाल कर रहे हैं कि प्रशासन लगातार इन हाईवाओं को बिना रोक-टोक भेजने के बावजूद आंखें क्यों बंद किए बैठा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब वक्त आ गया है कि प्रशासन और पुलिस जिम्मेदारी लें और अवैध रेत कारोबार पर कठोर कार्रवाई करें। नहीं तो भविष्य में ऐसे हादसे और गंभीर रूप ले सकते हैं, और लोगों की जान पर खतरा बढ़ता रहेगा।

उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का एसआईआर अभियान निरीक्षण

बीएलओ ऐप में डेटा दर्ज करें सावधानीपूर्वक, जिले की ग्रेडिंग सुधारने के निर्देश

शहडोल। उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल संजीव श्रीवास्तव ने मंगलवार को जिले में निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति का जायजा लेते हुए मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केंद्र क्रमांक 161, 162, 188, 189 और 193 पर पहुंचकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और उपस्थित बीएलओ को स्पष्ट एवं कड़े निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान श्रीवास्तव ने कहा कि एसआईआर अभियान किसी सामान्य प्रक्रिया की तरह नहीं, बल्कि उच्च प्राथमिकता वाले दायित्व की तरह निष्पादित होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मतदाताओं द्वारा दिए गए गणना पत्रक (फॉर्म) को बीएलओ ऐप में 100 प्रतिशत सटीकता के साथ दर्ज किया जाए। उन्होंने बताया कि डेटा अपलोड में त्रुटियाँ न केवल जिले की ग्रेडिंग को प्रभावित करती हैं, बल्कि निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सीधे सवाल खड़े करती हैं।

उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मौके पर ही बीएलओ ऐप में प्राप्त आंकड़ों को दर्ज कराकर प्रक्रिया की वास्तविक स्थिति परखने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने पाया कि कुछ मतदान केंद्रों में गणना पत्रक वितरण और डेटा एंट्री की गति अपेक्षा के अनुसार नहीं है। इस पर उन्होंने सख्त लहजे में निर्देश दिया कि सभी बीएलओ निर्वाचन कार्यालय से मिले पहचान पत्र अपने पास रखें, घर-घर जाकर गणना पत्रक वितरण सुनिश्चित करें और किसी भी तरह की ढिलाई न बरतें। उन्होंने यह भी कहा कि एसआईआर प्रक्रिया की गुणवत्ता सीधे जिले की चुनाव तैयारियों को प्रभावित करती है, इसलिए हर बीएलओ अपने क्षेत्र में मतदाताओं की वास्तविक संख्या, प्राप्त गणना पत्रक, लंबित प्रविष्टियों और अन्य सूचनाओं को समयसीमा के भीतर दर्ज करें। निरीक्षण के दौरान निर्वाचन पर्यवेक्षक संजय खरे, सतीश पटेल और संबंधित बीएलओ मौजूद रहे। उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने अंत में यह स्पष्ट किया कि निर्वाचन कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिन क्षेत्रों में प्रगति धीमी पाई गई, वहां आगे सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

एसआईआर में लापरवाही पर नाप दिये गये सहायक शिक्षक, निलंबित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षल पंचोली ने सहायक शिक्षक, माध्यमिक विद्यालय खोलाड़ी नेमचंद धुलिया को मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी जैतहरी में नियत किया है। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 का कार्य प्रगतिरत है, जिसमें बी.एल.ओ. के द्वारा गणना प्रपत्र का वितरण किया जाना है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 88-पुष्पराजगढ़ के मतदान केन्द्र 158 खोलाड़ी में बीएलओ का दायित्व सहायक शिक्षक नेमचंद धुलिया को सौंपा गया है, किन्तु सहायक शिक्षक लगातार अनाधिकृत रूप से अपने कर्तव्य से अनुपस्थित पाए गए हैं व उनके द्वारा गणना पत्रक का वितरण नही किया गया है, जो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 को प्रभावित कर निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाही एवं अनुशासनहीनता को प्रदर्शित करता है। जिसे संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सहायक शिक्षक को निलंबित किया है। निलंबन अवधि के दौरान सहायक शिक्षक को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा।

एक बगिया मां के नाम पौधारोपण में तत्परता लाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने मनरेगा योजना अंतर्गत 'एक बगिया मां के नाम' के तहत पौधारोपण कार्य के क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु जनपद पंचायत अनूपपुर एवं कोतमा की संयुक्त बैठक तथा जनपद पंचायत जैतहरी के सर्व संबंधित शासकीय अमले, हितग्राहियों की बैठक मे कार्य की मॉनिटरिंग करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मनरेगा परियोजना अधिकारी रावेन्द्र पटेल जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारीगण तथा आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक शशांक प्रताप सिंह संबंधित जनपदों के सहायक कार्यक्रम अधिकारी, आजीविका मिशन के सहायक ब्लॉक प्रबंधक, कृषि सखी, व हितग्राही उपस्थित थे। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने 'एक बगिया मां के नाम' पौधारोपण अभियान के तहत हितग्राहियों से चिन्हित स्थलों पर तार फेंसिंग व पौधारोपण कार्य की जानकारी लेते हुए उन्हें कार्यों में प्रगति लाने तत्परता बरतने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता का कार्यक्रम 'एक बगिया मां के नाम' पौधारोपण कार्य है। जिसका क्रियान्वयन समय सीमा में नहीं करने व लापरवाही बरतने पर संबंधी जनों पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने आजीविका मिशन से स्व सहायता समूह को ऋण प्रदान करने संबंधी कार्यवाही तत्परता से किए जाने के निर्देश दिए।

14 दिन के विचरण के बाद छत्तीसगढ़ वापस हुआ हाथी

ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 14 दिन पूर्व आया एक हाथी सोमवार की सुबह मध्यप्रदेश की सीमा से छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके में एक बार फिर से प्रवेश कर विश्राम कर रहा है। हाथी द्वारा 14 दिनों के मध्य ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर खेतों में लगी एवं रखी विभिन्न तरह की फसलों को अपना आहार बनाया है विगत रात एक ग्रामीण की बाउंड्री तोड़कर बांड़ी में लगे केला एवं अन्य तरह की सामग्रियों को खाया है हाथी के छत्तीसगढ़ वापस चले जाने से ग्रामीणों को राहत मिली है।

विगत 5 नवंबर को एक-एक दांत वाला नर हाथी छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही वन मंडल एवं वन परिक्षेत्र के शिवनी बीट के जंगल से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी तहसील एवं वन परिक्षेत्र के चोलना एवं धनगवां बीट के जंगलों में दिन में विश्राम करने बाद शाम रात होने पर ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई, ग्राम पंचायत कुकुरगोड़ा के विभिन्न टोला मोहल्ला जो जंगल के किनारे बसे हैं में लगे धान एवं अन्य तरह की फसलों को अपना आहार बनाया वहीं कुछ ग्रामीणों के घर में तोड़फोड़ कर एवं एक ग्रामीण के बोर बेल मशीन को नुकसान पहुंचा रविवार के दिन चोलना बीट के जंगल में दिनभर विश्राम करने बाद शाम होते ही जंगल से निकल कर यह हाथी ग्राम पंचायत कुकुरगोंड़ा के मंटोलिया टोला, बडकाटोला होते हुए ग्राम पंचायत चोलना के बचहाटोला एवं चोलना में विचरण करते हुए ग्रामीणों के खेतों, खलिहानों में रखी धान की फसल के साथ एक ग्रामीण के बांड़ी के बाउंड्री वॉल को तोड़कर दो-तीन ग्रामीणों के बांडी में लगे केला एवं अन्य तरह की सामग्रियों को अपना आहार बनाते हुए सोमवार की सुबह 3 बजे के लगभग चोलना गांव के मुदरी के समीप से गूजरनाला पार कर छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही वन परिक्षेत्र एवं वन मंडल अंतर्गत शिवनी बीट के मालाडांड गांव से धिनौची के जंगल के पहाड़ में पहुंचकर दिन में विश्राम कर रहा है। एक बार फिर से हाथी के वापस जाने से ग्रामीणों को राहत मिली है 14 दिनों के विचरण दौरान ग्रामीणो एवं वनविभाग की सक्रियता के कारण किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हो सकी जबकि यह हाथी बीच-बीच में ग्रामीणों की भीड देख कर चिंघाड़ कर आवाज़ कर दौड़ा कर डरता रहा है।

बिजुरी के वरिष्ठ पत्रकार राकेश सोनी के निधन से पत्रकार जगत में गहरा शोक

18 साल से हरिभूमि से जुड़कर जनसेवा में रहे अग्रणी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के बिजुरी के वरिष्ठ पत्रकार हरिभूमि प्रतिनिधि राकेश सोनी (मुन्नू) का सोमवार की दोपहर जबलपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान निधन हो गया, निधन की खबर से जिले के पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ गई। ज्ञात हो कि श्री सोनी विगत 18 सालो से दैनिक हरिभूमि अखबार मे बिजुरी क्षेत्र मे पूरे निष्ठा व ईमानदारी के साथ प्रतिनिधित्व कर रहे थे। श्री सोनी का आकस्मिक निधन हरिभूमि परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है। ज्ञात हो कि स्व. श्री सोनी बेबाक, उत्कृष्ट लेखनी, निर्भीक व निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जाने जाते थे, वे वरिष्ठ पत्रकार एवं नेक दिल इंसान थे। उनके जाने से पत्रकारिता जगत के एक युग का अंत हो गया। वे अपनी लेखनी से गरीबों मजलूमों की आवाज को शासन प्रशासन तक पहुंचा कर उन्हें न्याय दिलाने का पूरा प्रयास करते थे। वे बहुत जुझारू साथी थे पत्रकार के साथ-साथ वह नेक दिल और साफ इंसान थे उनके जाने से पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। श्री राकेश सोनी (मुन्नू) के आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त करने वालों मे कोतमा विधायक व राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल, कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रामलाल रौतेल, अनूपपुर विधायक बिसाहूलाल सिंह, पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह, नपाध्यक्ष बिजुरी सहबिन लखन पनिका, नपा उपाध्यक्ष बिजुरी प्रीति सतीश शर्मा, लवकुश शुक्ला, अजय शुक्ला, मुकेश जैन, रवीन्द्र शर्मा रिंकू, सीएमओ पवन साहू, हरीश मोटवानी, शिवबाबू शुक्ला सहित हरिभूमि परिवार व पत्रकार साथी मनोज द्विवेदी,

राजेश शिवहरे, प्रेमचंद्र अग्रवाल, अरविंद बियानी, चैतन्य मिश्रा, राजेश शुक्ला, राजेश पयासी, अजय मिश्रा, अमित शुक्ला, राजनारायण द्विवेदी, रामबाबू चौबे, अजीत मिश्रा, विजय उरमलिया, सीताराम पटेल, आनंद पाण्डेय, अनुपम सिंह, राजेश सिंह, जावेद अहमद, हिमांशु बियानी, भरत मिश्रा, अखिलेश नामदेव, कमलेश सिंह चंदेल, पंकज पंजवानी, पूरन सिंह चंदेल, मुन्नू पाण्डेय, संतोष चौरसिया, सुरेश शर्मा, पंकज रीना शर्मा, प्रदीप तिवारी, राजकुमार साहू, कमलेश मिश्रा, विनोद द्विवेदी, एड. शारदा शर्मा, मनोज सिंह, शिवलखन शुक्ला, विकास पाण्डेय, मृगेन्द्र सिंह, अभय पाठक, बृजेश साहनी, राजा मिश्रा, दुर्गा शुक्ला, रवि ओझा, प्रकाश सिंह परिहार, बिलाल अहमद, संजीव पाण्डेय, चंद्रिका चंद्रा सहित जिले भर के पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों समेत ईष्ट मित्रों ने मृतात्मा की शांति व दुखी परिवार को दुख सहने करने की क्षमता प्रदान करने के लिए ईश्वर से कामना की है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह जी का अमरकंटक दौरा

धर्म, आध्यात्म और सनातन धर्म पर विस्तृत चर्चा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने दो दिवसीय आध्यात्मिक और धार्मिक दौरे के तहत, पवित्र नगरी अमरकंटक में प्रमुख संत-महात्माओं से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और सनातन धर्म, आध्यात्म तथा देश के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का यह दौरा धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने अमरकंटक के विभिन्न आश्रमों और मठों का दौरा किया और प्रमुख संतों से व्यक्तिगत रूप से भेंट की। प्रमुख संत जिनसे भेंट की गई उनमे आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी रामकृष्णा नंद महाराज (मार्कंडेय आश्रम), स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज (श्री कल्याण सेवा आश्रम), स्वामी हरिहरानंद महाराज (श्री मृत्युंजय आश्रम), महंत रामभूषण दास महाराज (शांति कुटी आश्रम) शामिल हैं। मंत्री ने सभी पूज्य संतों के चरणों में नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने संतों को केंद्र सरकार की योजनाओं और देश के मौजूदा धार्मिक एवं सामाजिक परिदृश्य के बारे में भी अवगत कराया।

धर्म, आध्यात्म और सनातन धर्म पर विस्तृत चर्चा: विभिन्न आश्रमों में हुई बैठकों के दौरान, केंद्रीय मंत्री और संतों के बीच धर्म, अध्यात्म और सनातन धर्म की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की दिशा पर गहन चर्चा हुई। सनातन धर्म का संरक्षणः चर्चा का मुख्य केंद्र सनातन धर्म के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने और युवा पीढ़ी को इससे जोड़ने पर रहा। संतों ने इस दिशा में सरकार के प्रयासों की सराहना की। आध्यात्मिक चेतना का विस्तारः देश में आध्यात्मिक चेतना और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए किए जा सकने वाले।

केन्द्रीय विद्यालय में आगामी सत्र में 11वीं, 12वीं की कक्षाएं संचालित करने की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर में कक्षा 01 से लेकर कक्षा 10 तक संचालित है। विगत वर्ष 24-25मे 10वीं पास करने वाले विद्यार्थियों को अगली कक्षाओं में प्रवेश के लिए अन्य शहरों में जाना पड़ा है। केन्द्रीय विद्यालय धनपुरी/शहडोल में कक्षा 11वीं में एडमिशन लिया है। बाहर आने जाने में विद्यार्थियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, धन के साथ -साथ समय भी अपव्यय होता है। अनूपपुर केन्द्रीय विद्यालय में अनूसूचित जाति, अनूसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के अधिकांश निर्धन छात्र -छात्राएं अध्ययनरत हैं, इन बच्चों के अभिभावक अपने बच्चों को अन्य शहरों में भेजने में आर्थिक रूप से असमर्थ हैं। बच्चों एवं अभिभावकों की समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए जिला आदिवासी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष व जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष राजीव सिंह और पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष अनूपपुर जीवेन्द्र सिंह ने केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर के प्राचार्य देवेन्द्र तिवारी से मिलकर ज्ञापन सौंपा एवं बच्चों की समस्याओं से अवगत कराते हुए केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर में 11वीं एवं 12वीं की कक्षाएं आगामी शिक्षण सत्र वर्ष 2026-27मे संचालित कराने का अनुरोध किया गया।

संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में राजनगर व बिजुरी ने जीता खिताब

जिला वॉलीबॉल संघ अनूपपुर के मार्गदर्शन में हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला वॉलीबॉल संघ अनूपपुर के मार्गदर्शन तथा मध्यप्रदेश एमेच्योर वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव हरी सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में कोयलाचल क्लब राजनगर द्वारा दो दिवसीय संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन 15 और 16 नवंबर को न्यू राजनगर वॉलीबॉल ग्राउंड में किया गया। प्रतियोगिता में पुरुष व बालिका वर्ग की कुल 18 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बालिका वर्ग में राजनगर चैंपियन

प्रतियोगिता के प्रथम दिवस बालिका वर्ग के मैच आयोजित किए गए। फाइनल मुकाबला राजनगर और रेड डेंग्रेन की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए राजनगर की टीम विजेता बनी। विजेता व उपविजेता टीमों को श्रद्धा महिला मंडल एसईसीएल बिलासपुर की अध्यक्षा शशि दुहन एवं उपाध्यक्षा के मार्गदर्शन में प्रेरित होकर तथा जागृति महिला समिति हसदेव की अध्यक्षा विनिता शर्मा, मृगनयनी सिंह, सरिता सिंह, सुष्मिता मिश्रा, सुमन जाखड़, सीमा सिंह, सुमिता शर्मा (सह सचिव जिला वॉलीबॉल संघ) ने मेडल व ट्रॉफी प्रदान की। जागृति महिला समिति की अध्यक्षा विनीता शर्मा ने अपने उद्बबोधन में कहा बेटियों पर गर्व है क्योंकि बेटियां हर क्षेत्र में आगे हैं बेटियां संस्कार संवेदना औरऔर शक्ति का प्रतीक।

पुरुष वर्ग में संत जोसफ स्कूल ने मारी बाजी

द्वितीय दिवस 16 नवंबर को पुरुष वर्ग के रोमांचक मुकाबले खेले गए। फाइनल मैच संत जोसफ स्कूल बिजुरी और संत जोसफ स्कूल पाली उमरिया के बीच हुआ, जिसमें कड़े संघर्ष के बाद संत जोसफ बिजुरी की टीम विजेता रही, जबकि पाली उमरिया उपविजेता रही। विजेता खिलाड़ियों को नगद राशि, मेडल, ट्रॉफी व स्पोर्ट्स किट से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला वॉलीवाल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष यशवंत सिंह, केंद्रीय महामंत्री एटक कन्हैया सिंह, देशबंधु समाचार पत्र के शहडोल संभागीय ब्यूरो डॉक्टर संतोष झा, थाना प्रभारी सुमित कौशिक, नगर पंचायत बनगवां के राममिलन तिवारी राजेश मिश्रा लेखापाल संजय सिंह, हसदेव क्षेत्र जेसीसी सदस्य जेपी श्रीवास्तव, जेसीसी सदस्य व महामंत्री इंटक राम आश्रय यादव, राजनगर उपक्षेत्र जेसीसी सदस्य व वरिष्ठ खिलाड़ी उपस्थित रहे।

सहयोगी टीम का उत्कृष्ट योगदान

मैच संचालन में राष्ट्रपति पुरस्कृत स्टेट रेफरी जिला वाँलीवाल संघ के सह सचिव दिनेश कुमार सिंह चंदेल, अंतुल यादव, जितेंद्र पनिका, आलोक सिंह, राजेंद्र यादव, धनसाय यादव ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इसके अलावा आयोजन में राजू श्रीवास्तव, रामजी विंद, मुकेश राजभर, विकास पनिका, विक्रांत प्रताप सिंह, हरिशंकर दुबे, मिथिलेश सिंह नेताम, वार्ड क्रमांक 6 पार्षद सविता ब्रजेश कुशवाहा, वार्ड 10 पार्षद पति अभिषेक सोनी, वार्ड 11 पार्षद विकास प्रताप सिंह, वार्ड 1 पार्षद पति जितेंद्र पनिका सहित कई पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का सहयोग सराहनीय रहा। प्रतियोगिता को सफल बनाने में रामचंद्र यादव (सचिव जिला वॉलीबॉल संघ), श्रीमती सुमिता शर्मा और हरीशंकर यादव (सह सचिव जिला वॉलीबॉल संघ) का विशेष योगदान रहा। यह संभाग स्तरीय आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करता है, बल्कि क्षेत्र में वॉलीबॉल को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणास्त्रोत भी सिद्ध हुआ।

कृषक भ्रमण सह प्रशिक्षण के लिए 30 कृषकों का दल रवाना

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जिले के 30 किसानों को राज्य के अंदर तीन दिवसीय कृषक भ्रमण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 17 से 19 नवंबर तक प्रशिक्षण हेतु आरक्षित वाहन से रवाना किया गया। कृषक भ्रमण सह प्रशिक्षण हेतु कृषको के आरक्षित वाहन को जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती वाल्मीकि राठौर तथा जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, उद्यानिकी अधिकारी माखन लाल प्रजापति सहित कृषक व विभागीय स्टाफ मौजूद रहे। तीन दिवसीय कृषक भ्रमण सह प्रशिक्षण 30 सदस्यीय दल में जिले के जैतहरी विकासखंड से 6, अनूपपुर व कोतमा विकासखंड से 5-5 तथा पुष्पराजगढ़ विकासखंड से 14 कृषक शामिल है। भ्रमण कार्यक्रम के तहत कृषक शहडोल एवं कटनी के कृषि विज्ञान केंद्र प्रक्षेत्र का भ्रमण, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं कृषि विज्ञान केंद्र जबलपुर में प्रशिक्षण तथा भानु फॉर्म (निजी) प्रक्षेत्र का भ्रमण, खाद्य प्रसंस्करण इकाई, ड्रॉपर, संरक्षित खेती, वैल्यू एडिशन का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

शासन के आदेश का अनूपपुर में नहीं हो रहा पालन

पूर्व जिला पंचायत सदस्य माया चौधरी ने उठाई आवाज

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। अनूपपुर मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के आदेश क्रमांक 724193/2025 के बावजूद अनूपपुर जिले में ग्राम पंचायत सचिवों के प्रभार को लेकर नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। जबकि अन्य जिलों में आदेश लागू हैं।

अनूपपुर जिला पंचायत की पूर्व सदस्य माया चौधरी ने इस लापरवाही को गंभीर बताते हुए प्रशासन को पत्र भेजकर आपत्ति दर्ज कराई है। माया चौधरी का कहना है कि बिना नियुक्ति या अधिकृत प्रभार के कई लोगों से सचिव का कार्य कराया जा रहा है, जो स्पष्ट रूप से नियम विरुद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनूपपुर आदिवासी जिला होने के कारण अधिकारी इस मुद्दे पर गंभीर नहीं हैं, जिससे ग्रामीणों के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि शासन के आदेश के अनुरूप वैध सचिव या अधिकृत प्रभार तत्काल जारी किए जाएँ, ताकि पंचायतों की कार्यप्रणाली व्यवस्थित और पारदर्शी रह सके। इस मामले में विभागीय चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है जब पूरे प्रदेश में आदेश लागू हैं, तो अनूपपुर में ही अनदेखी क्यों।

आरोग्य महोत्सव निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन संपन्न

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर जिला अनूपपुर का सबसे बड़ा ब्लॉक पुष्पराजगढ़ में 16 नवम्बर को आरोग्य महाउत्सव निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों से दूर-दराज से आये मरीजो ने इसका लाभ उठाया। विशेषज्ञ डॉक्टर की टीम द्वारा डाइबिटीज, बीपी, सोनोग्राफी, चेस्ट एक्सरे,की जाँच कराकर शिविर में आये मरीजों का ईलाज किया गया। टीबी उन्मूलन कार्य के अंतर्गत टीबी के लक्षण से संबंधित तीन सौ मरीजो के चेस्ट एक्सरे किया गया और स्पूटम सेम्पल लिया

गया। सक्रिय व परिपक्व एसटीएस देवेन्द्र जायसवाल द्वारा टीबी की दवा ले रहे लगभग सौ मरीजो को पोषण-आहार (फ़ूडबास्केट) का वितरण भी किया गया। निश्चित रूप से इस मेगा शिविर का लाभ वीलचेयर के रूप में दिव्यांग लोगो को भी मिला। इस मेगा शिविर का सफल संचालन व समापन के दौरान- सांसद श्रीमती हिमान्द्री सिंह, मध्यप्रदेश शासन में मंत्री दिलीप जायसवाल (स्वतंत्र प्रभार), अनूपपुर भाजपा ज़िला अध्यक्ष हीरा सिंह मरकाम, अनूपपुर सीएमएचओ अलका तिवारी,डीटीओ डॉ एस सी रॉय, डीपीसी सिम्मी वानखेड़े, गायत्री बंजारा, सोहराब अंसारी, प्रियंका सिंह, इशरत जहां, राजेश पटेल, आदि लोग उपस्थित रहे।